आरईसी लिमिटेड

सीएसआर परियोजनाओं का

प्रभावी मूल्यांकन

नांगिया एंड कंपनी एलएलपी ए-109, सेक्टर-136, नोएडा (दिल्ली-एनसीआर)-201301, भारत

विषय-सूची

1 कार्यपालक सारांश 7

2 परिचय 14

2.1 आरईसी लिमिटेड के बारे में 14

3 प्रभावी मूल्यांकन रिपोर्ट आयोजित करने वाली एजेंसी के बारे में 14

3.1 नांगिया एंड कंपनी एलएलपी 14

4 परियोजनाओं के बारे में 16

5 प्रभावी मूल्यांकन विधि 19

5.1 अध्ययन का उद्देश्य 19

5.2 विस्तृत कार्यप्रणाली 20

6 25 सीएसआर परियोजनाओं का प्रभावी मूल्यांकन 26

6.1 स्वास्थ्य देखभाल सेवा को मजबूत करने के लिए बी.के. सिविल अस्पताल, फरीदाबाद हरियाणा में मेडिकल उपस्करों की उपलब्धता एवं स्थापना कराना 27

6.2 औरंगाबाद, महाराष्ट्र के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के 2000 लाभार्थियों को रोजगारोन्मुख कौशल विकास प्रशिक्षण..... 33

6.3 उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में खादी कताई, बुनाई और परिधान इकाई की स्थापना/लगाना..... 40

6.4 भारत में विभिन्न स्थानों पर अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/महिला/अल्पसंख्यक/ईडब्ल्यूएस/वंचित वर्ग के 1100 बेरोजगार युवाओं को रोजगारोन्मुख कौशल विकास प्रशिक्षण..... 40

6.5 पंजाबी बाग, नई दिल्ली में एसएसएमआई स्कूल के विनिर्माण का विस्तार करना 46

6.6 तमिलनाडु के मदुरै जिले के मदुरै कामराज विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न स्थानों पर 1 एम डब्ल्यूपी सौर फोटोवोल्टिक प्रणाली की स्थापना..... 53

6.7 एडवांस्ड सेंटर फॉर ट्रीटमेंट, रिसर्च एंड एजुकेशन इन कैंसर, टाटा मैमोरियल सेंटर, खारघर, नवी मुंबई महाराष्ट्र में सीवेज उपचार संयंत्र का निर्माण..... 60

6.8 श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (बीएमवीएसएस), जयपुर, राजस्थान द्वारा कार्यान्वित बेंगलुरु (कर्नाटक), पटना (बिहार), रांची (झारखंड), नोएडा (उत्तर प्रदेश), हैदराबाद (आंध्र प्रदेश) और जयपुर में बीएमवीएसएस के मुख्य केंद्र में विशेष रूप से सक्षम व्यक्तियों को 3400 सहायता और उपकरण प्रदान करना 65

6.9 श्याम शाह मेडिकल कॉलेज, रीवा, मध्य प्रदेश जिले से संबद्ध गांधी मैमोरियल हॉस्पिटल का निर्माण एवं नवीनीकरण 70

6.10 राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी, एसएमएस अस्पताल, राजस्थान के जयपुर जिले द्वारा कार्यान्वित न्यूरोसर्जरी विभाग, एसएमएस अस्पताल, जयपुर में न्यूरो नेविगेशन (क्रेनियल + स्पाइनल) मशीन की खरीद, स्थापना और चालू करना 75

6.11 राजस्थान के जयपुर जिले के एसएमएस अस्पताल में डिजिटल सबट्रैक्शन एंजियोग्राफी मशीन की खरीद, स्थापना और चालू करना 81

6.12 मणिपुर के उखरूल जिले के सोमदल गांव में बहुउद्देशीय हॉल सह इनडोर स्टेडियम का निर्माण..... 87

6.13 भारत के विभिन्न स्थानों पर अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/महिला/अल्पसंख्यक/ईडब्ल्यूएस से संबंधित 1500 लोगों को रोजगारोन्मुख कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करना 92

6.14 मिर्ज़ापुर उत्तर प्रदेश में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के 1000 लाभार्थियों को रोजगारोन्मुख कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करना..... 98

6.15 स्मार्टग्राम परियोजना के तहत हरियाणा के गुरूग्राम और मेवात जिले के 5 गांवों में सोलर रूफ-टॉप पावर पैनल और माइक्रो ग्रिड की स्थापना..... 103

6.16 शे गाँव, लेह-लद्दाख, जम्मू और कश्मीर में बुजुर्गों की देखभाल के लिए कल्याण सुविधा (60 सीटर) के साथ आश्रय गृह का निर्माण और संचालन..... 109
6.17 बिहार के 14 जिलों में कैंसर की जांच और बुनियादी कैंसर देखभाल सेवाओं को मजबूत करना 114
6.18 , आरोग्य रक्षा समिति जिला अस्पताल, यादगीर द्वारा कार्यान्वित नए जिला अस्पताल, यादगिरि, कर्नाटक में 32 स्लाइस सीटी स्कैन मशीन की खरीद, स्थापना और चालू करना..... 120
6.19 संबलपुर विश्वविद्यालय, ओड़िशा के परिसर में विभिन्न स्थानों पर 245 किलोवाट सौर ऊर्जा संयंत्र और एलईडी लाइट की स्थापना..... 126
6.20 राजस्थान के उदयपुर, बांसवाड़ा और प्रतापगढ़ जिलों में कुओं को गहरा करने, चेक बांधों के नवीनीकरण और निर्माण और चिकित्सा शिविरों के आयोजन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों का विकास..... 131
6.21 कुष्ठ मिशन अस्पतालों चंपा, छत्तीसगढ़, फैजाबाद, उत्तर प्रदेश और वडथोरसलूर, तमिलनाडु में ऑपरेशन थिएटर और मैटरनिटी ब्लॉक का निर्माण और सुसज्जित करके कुष्ठ रोग से प्रभावित और अन्य गरीब लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करना..... 136
6.22 भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी, तेलंगाना के वारंगल जिले में ब्लड बैंक उपकरणों/वस्तुओं की खरीद, स्थापना और चालू करना 142
6.23 बिहार के पूर्णिया जिले के 200 आंगनवाड़ी केन्द्रों/प्राथमिक विद्यालयों में 500 लीटर ओवरहेड स्टोरेज टैंक और 1 एचपी विद्युत पंप के साथ 200 रिवर्स ऑस्मोसिस जल उपचार संयंत्र की स्थापना 147
6.24 ओड़िशा में स्वनिरतार, कटक में विकृति सुधार के लिए उत्कृष्टता केंद्र के रूप में संस्थान को स्थापित करने के लिए स्वनिरतार में भवन का निर्माण 152
6.25 तेलंगाना के महबूबनगर जिले के 24 सरकारी स्कूलों में परिसर की दीवारों का निर्माण और गेट उपलब्ध कराना 157
***7 अनुलग्नक - प्रश्नावली* 162**
7.1 स्वास्थ्य देखभाल सेवा को मजबूत करने के लिए बी.के. सिविल अस्पताल, फरीदाबाद हरियाणा में मेडिकल उपस्करों की उपलब्धता एवं स्थापना कराना 166
7.2 औरंगाबाद, महाराष्ट्र के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के 2000 लाभार्थियों को रोजगारोन्मुख कौशल विकास प्रशिक्षण..... 166
7.3 उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में खादी कताई, बुनाई और परिधान इकाई की स्थापना/लगाना..... 166
7.4 भारत में विभिन्न स्थानों पर अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/महिला/अल्पसंख्यक/ईडब्ल्यूएस/वंचित वर्ग के 1100 बेरोजगार युवाओं को रोजगारोन्मुख कौशल विकास प्रशिक्षण..... 166
7.5 पंजाबी बाग, नई दिल्ली में एसएसएमआई स्कूल के विनिर्माण का विस्तार करना 167
7.6 तमिलनाडु के मदुरै जिले के मदुरै कामराज विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न स्थानों पर 1 एम डब्ल्यूपी सौर फोटोवोल्टिक प्रणाली की स्थापना..... 167
7.7 एडवांस्ड सेंटर फॉर ट्रीटमेंट, रिसर्च एंड एजुकेशन इन कैंसर (एसीटीआरईसी), टाटा मैमोरियल सेंटर, खारघर, नवी मुंबई महाराष्ट्र में सीवेज उपचार संयंत्र का निर्माण..... 167
7.8 श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (बीएमवीएसएस), जयपुर, राजस्थान द्वारा कार्यान्वित बेंगलुरु (कर्नाटक), पटना (बिहार), रांची (झारखंड), नोएडा (उत्तर प्रदेश), हैदराबाद (आंध्र प्रदेश) और जयपुर में बीएमवीएसएस के मुख्य केंद्र में विशेष रूप से सक्षम व्यक्तियों को 3400 सहायता और उपकरण प्रदान करना 168
7.9 श्याम शाह मेडिकल कॉलेज, रीवा, मध्य प्रदेश जिले से संबद्ध गांधी मैमोरियल हॉस्पिटल का निर्माण एवं नवीनीकरण 168
7.10 राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी, एसएमएस अस्पताल, राजस्थान के जयपुर जिले द्वारा कार्यान्वित न्यूरोसर्जरी विभाग, एसएमएस अस्पताल, जयपुर में न्यूरो नेविगेशन (क्रेनियल + स्पाइनल) मशीन की खरीद, स्थापना और चालू करना 168

7.12 मणिपुर के उखरूल जिले के सोमदल गांव में बहुउद्देशीय हॉल सह इनडोर स्टेडियम का निर्माण..... 169
7.13 भारत के विभिन्न स्थानों पर अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/महिला/अल्पसंख्यक/ईडब्ल्यूएस से संबंधित 1500 लोगों को रोजगारोन्मुख कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करना 169
7.14 मिर्ज़ापुर उत्तर प्रदेश में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के 1000 लाभार्थियों को रोजगारोन्मुख कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करना..... 170
7.15 स्मार्टग्राम परियोजना के तहत हरियाणा के गुरूग्राम और मेवात जिले के 5 गांवों में सोलर रूफ-टॉप पावर पैनल और माइक्रो ग्रिड की स्थापना..... 170
7.16 शे गाँव, लेह-लद्दाख, जम्मू और कश्मीर में बुजुर्गों की देखभाल के लिए कल्याण सुविधा (60 सीटर) के साथ आश्रय गृह का निर्माण और संचालन..... 170
7.17 बिहार के 14 जिलों में कैंसर की जांच और बुनियादी कैंसर देखभाल सेवाओं को मजबूत करना 170
7.18 , आरोग्य रक्षा समिति जिला अस्पताल (एआरएसडीएच), यादगीर द्वारा कार्यान्वित नए जिला अस्पताल, यादगिरि, कर्नाटक में 32 स्लाइस सीटी स्कैन मशीन की खरीद, स्थापना और चालू करना.... 171
7.19 संबलपुर विश्वविद्यालय, ओड़िशा के परिसर में विभिन्न स्थानों पर 245 किलोवाट सौर ऊर्जा संयंत्र और एलईडी लाइट की स्थापना..... 171
7.20 राजस्थान के उदयपुर, बांसवाड़ा और प्रतापगढ़ जिलों में कुओं को गहरा करने, चेक बांधों के नवीनीकरण और निर्माण और चिकित्सा शिविरों के आयोजन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों का विकास..... 171
7.21 कुष्ठ मिशन अस्पतालों चंपा, छत्तीसगढ़, फैजाबाद, उत्तर प्रदेश और वडथोरसलूर, तमिलनाडु में ऑपरेशन थिएटर और मैटरनिटी ब्लॉक का निर्माण और सुसज्जित करके कुष्ठ रोग से प्रभावित और अन्य गरीब लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करना..... 172
7.22 भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी, तेलंगाना के वारंगल जिले में ब्लड बैंक उपकरणों/वस्तुओं की खरीद, स्थापना और चालू करना 172
7.23 बिहार के पूर्णिया जिले के 200 आंगनवाड़ी केन्द्रों/प्राथमिक विद्यालयों में 500 लीटर ओवरहेड स्टोरेज टैंक और 1 एचपी विद्युत पंप के साथ 200 रिवर्स ऑस्मोसिस जल उपचार संयंत्र की स्थापना 172
7.24 ओड़िशा में स्वनिरतार, कटक में विकृति सुधार के लिए उत्कृष्टता केंद्र के रूप में संस्थान को स्थापित करने के लिए स्वनिरतार में भवन का निर्माण 172
7.25 तेलंगाना के महबूबनगर जिले के 24 सरकारी स्कूलों में परिसर की दीवारों का निर्माण और गेट उपलब्ध कराना 173

शब्दावली

सीएसआर---------- कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व

ईडब्ल्यूएस----------आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग

एफजीडी---------- फोकस समूह चर्चा

यूएन एसडीजी----------संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्य

आईडीआई----------गहन साक्षात्कार

केआईआई---------- मुख्य मुखबिर साक्षात्कार

एमओए----------करार ज्ञापन

एमओयू---------- समझौता ज्ञापन

एनजीओ----------गैर-सरकारी संगठन

ओबीसी----------अन्य पिछड़ा वर्ग

एससी---------- -अनुसूचित जाति

1 कार्यपालक सारांश

25 सीएसआर परियोजनाओं के प्रभावी मूल्यांकन का कार्यपालक सारांश

आरईसी लिमिटेड ने अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल का प्रभावी मूल्यांकन करने के लिए नांगिया एंड कंपनी एलएलपी को नियुक्त किया है। यह वर्तमान रिपोर्ट विशेष रूप से आरईसी लिमिटेड द्वारा शुरू की गई पच्चीस (25) सीएसआर परियोजनाओं के प्रभावी मूल्यांकन करने पर केंद्रित है। इस अध्ययन का प्राथमिक लक्ष्य परिणामों को आकलन करना और यह पता लगाना था कि इन परियोजनाओं का इसमें शामिल हितधारकों पर क्या प्रभाव पड़ा है। इसमें यह समझना शामिल है कि इन पहलों ने लाभार्थियों और उन समुदायों के जीवन को कैसे प्रभावित किया है जिनका वे हिस्सा हैं। यह मूल्यांकन भारत के विभिन्न राज्यों और क्षेत्रों को शामिल करते हुए एक व्यापक भौगोलिक क्षेत्र पर आयोजित किया गया था। इनमें राजस्थान, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, बिहार, हरियाणा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओड़िशा, तमिलनाडु, केरल, तेलंगाना, कर्नाटक, पंजाब, झारखंड, मणिपुर, जम्मू और कश्मीर और छत्तीसगढ़ शामिल हैं।

इनमें से प्रत्येक स्थान ने अद्वितीय संदर्भ और चुनौतियाँ प्रस्तुत कीं, जो परियोजनाओं की प्रभावशीलता और प्रभाव का एक व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करती हैं। कुल मिलाकर, हमने सीएसआर परियोजनाओं को आवश्यक और अंतिम लाभार्थियों की जरूरतों को पूरा करने वाला पाया। परियोजनाओं को प्रभावी ढंग से कार्यान्वित किया गया है और देखा गया है कि उन्होंने वांछित प्रभाव पैदा किया है। यह देखा गया है कि ये परियोजनाएं टिकाऊ तरीके से जरूरतों को पूरा कर रही हैं, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि यह लाभ परियोजना की अवधि के बाद भी जारी रहेगा।

हम भविष्य की सीएसआर परियोजनाओं की प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए निम्नलिखित अनुशंसा प्रस्तावित करना चाहेंगे:

- आरईसी विशेष रूप से ₹ 1 करोड़ से अधिक लागत वाली परियोजनाओं के मामले में मध्यावधि/अंतरिम प्रभाव मूल्यांकन करने पर विचार कर सकता है, ताकि अब तक उत्पन्न प्रभाव को समझा जा सके, साथ ही निधियों का इष्टतम उपयोग और परियोजना का प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए उपचारात्मक/सुधारात्मक दिशा प्रदान की जा सके, यदि आवश्यक हो। 50-60% निधि वितरित होने के बाद अंतरिम प्रभाव मूल्यांकन आयोजित किया जा सकता है।
- कैपेक्स परियोजना के संबंध में जब किसी मद को किसी परियोजना के भाग के रूप में प्रस्तुत किया जाता है तो चेक्स और बैलेंसस की एक प्रणाली स्थापित करना अनिवार्य होता है। विशेष रूप से जब कोई परियोजना पूर्ण होने पर आ जाए तो तैयार परिसंपत्ति की पूर्ण रूप से समीक्षा और जांच करने की सलाह दी जाती है। इसके बाद, आरईसी ऐसी परिसंपत्ति का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने के लिए परियोजना के पूरा होने के 3 महीने के भीतर समीक्षा करने पर विचार कर सकता है, जिससे यह भी सुनिश्चित हो सके कि कार्यान्वयन टीम के पास परिसंपत्ति का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए उपयुक्त टीम है।

25 सीएसआर परियोजनाओं के प्रभावी आकलन के मुख्य निष्कर्ष

क्र.सं.	परियोजना विवरण	परियोजना के प्रभाव के मुख्य निष्कर्ष

1	जिला स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण सोसायटी (डीएच एवं एफडब्ल्यूएस), फरीदाबाद द्वारा बी.के. सिविल अस्पताल, फरीदाबाद में स्वास्थ्य देखभाल सेवा को मजबूत करने के लिए चिकित्सा उपकरणों की खरीद और स्थापना के लिए ₹1.23 करोड़ की सहायता राशि।	• ऑपरेशन थिएटर, रेडियोलॉजी, नेत्र ओपीडी, स्त्री रोग, नवजात गहन चिकित्सा इकाई (एनआईसीयू) और दंत चिकित्सा विभाग के लिए आधुनिक उपकरण उपलब्ध कराए गए। • विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के मरीजों का इलाज किया गया। • स्वास्थ्य सुविधा सुविधा में नए उपकरणों ने रोगी की देखभाल और निदान में सुधार किया है, जिससे रोगी की क्षमता में वृद्धि हुई है। • अनुकूलित निदान प्रक्रिया ने लागत में कटौती की है, प्रतीक्षा समय कम किया है और सुविधा की देखभाल क्षमता को बढ़ाया है।
2	महर्षि शिक्षण प्रसारक मंडल (एमएसपीएम) द्वारा औरंगाबाद, महाराष्ट्र में समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के 2000 लाभार्थियों को रोजगारोन्मुख कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए ₹4.36 करोड़ की सहायता राशि।	• प्रशिक्षण के दौरान सॉफ्ट स्किल सत्र और विशेषज्ञ वार्ता ने प्रशिक्षुओं के कौशल को बढ़ाने में योगदान दिया। • प्रशिक्षण ने लाभार्थियों के जीवन स्तर और आय के स्रोतों को बढ़ाया। • लाभार्थियों को नौकरी के अवसर सुरक्षित करने में मदद की।
3	खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) द्वारा उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में खादी कताई, बुनाई और परिधान इकाई की स्थापना/लगाने के लिए ₹3.71 करोड़ की सहायता राशि।	• • इस परियोजना से लगभग 500 व्यक्तियों को रोजगार मिला जिससे वाराणसी जिले और आसपास के क्षेत्र में बेरोजगारी कम करने में मदद मिली। • वाराणसी जिले और आसपास के क्षेत्र के लोगों को स्थायी आजीविका प्रदान की गई। • महिलाओं के लिए नौकरी के अवसर आसान बनाए गए, उन्हें अपने परिवार और समुदाय में आर्थिक रूप से योगदान करने के लिए सशक्त बनाया गया।
4	परिधान प्रशिक्षण और डिजाइन केंद्र (एटीडीसी) द्वारा भारत में विभिन्न स्थानों पर एससी / एसटी / ओबीसी / महिला / अल्पसंख्यक / ईडब्ल्यूएस / वंचित वर्ग के बेरोजगार 1100 युवाओं को रोजगारोन्मुख कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए ₹2.57 करोड़ की सहायता राशि।	• कौशल विकास कार्यक्रम से रोजगार सृजन, आर्थिक सशक्तिकरण और लाभार्थियों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार हुआ। • प्रशिक्षण से लाभार्थियों के जीवन स्तर में सुधार हुआ।
5	स्वामी शिवानंद मैमोरियल इंस्टीट्यूट (एसएसएमआई) द्वारा पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्वामी शिवानंद मेमोरियल इंस्टीट्यूट ऑफ फाइन आर्ट्स एंड क्राफ्ट्स (एसएसएमआई) स्कूल के लिए बुनियादी ढांचे के विस्तार के लिए ₹2.50 करोड़ की सहायता राशि।	• शिक्षकों और छात्रों दोनों के लिए अधिक अनुकूल और सीखने की गतिविधियों में लगे रहने के माहौल को बढ़ावा दिया। • बुनियादी ढांचे का विस्तार, छात्रों के नामांकन में वृद्धि। • शिक्षण विधियों में सुधार, एकाग्रता स्तर में वृद्धि, और पाठ्येतर गतिविधियों में उच्च भागीदारी ने शैक्षिक वातावरण को बढ़ाया।

अनुवाद किया जा रहा है।